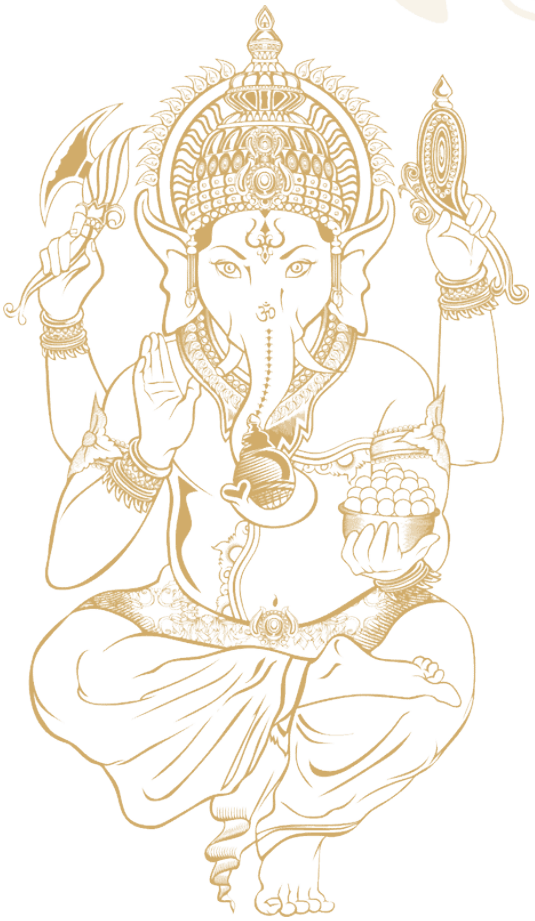

Krishana Mohan

31 Mar 1982

11:45 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121784603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/03/1982**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:45:00 घंटे**
इष्ट	14:49:10 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:48:32 घंटे
वेलान्तर	-00:04:19 घंटे
साम्पातिक काल	00:21:44 घंटे
सूर्योदय	05:49:19 घंटे
सूर्यास्त	18:12:41 घंटे
दिनमान	12:23:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:36:16 मीन
लग्न के अंश	22:29:43 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	22:29:43	314:46:08	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	---
सूर्य			मीन	16:36:16	00:59:15	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	04:05:42	14:10:27	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल	व		कन्या	16:49:54	00:23:12	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	मीन	05:15:30	01:50:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	नीच राशि
गुरु	व		तुला	14:53:22	00:05:56	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	00:10:41	00:58:28	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि	व		कन्या	25:59:28	00:04:32	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	25:01:34	00:01:00	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	25:01:34	00:01:00	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	10:49:18	00:01:06	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
नेप	व		धनु	03:26:19	00:00:03	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	02:22:40	00:01:37	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	---
दशम भाव			मीन	12:18:35	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:16

लग्न-चलित

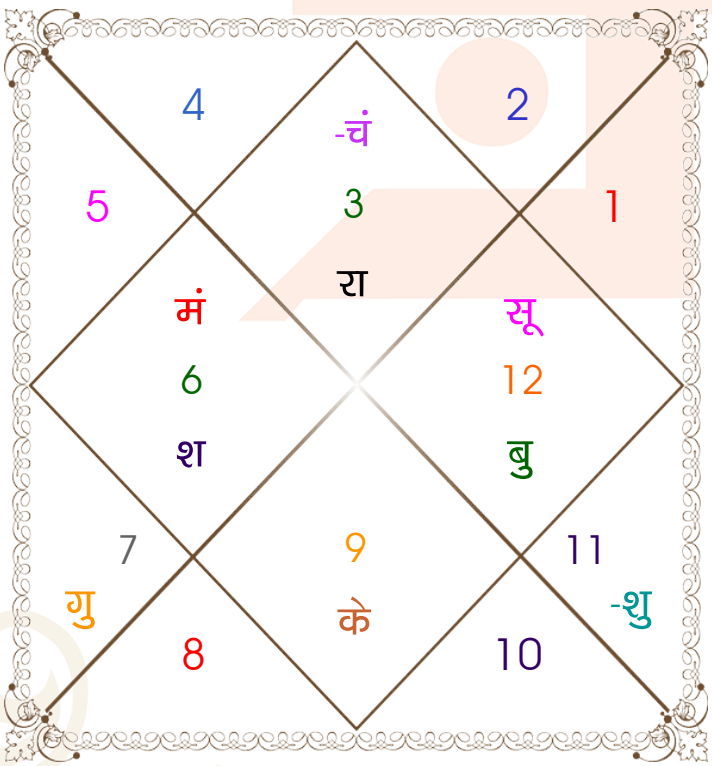

चन्द्र कुंडली

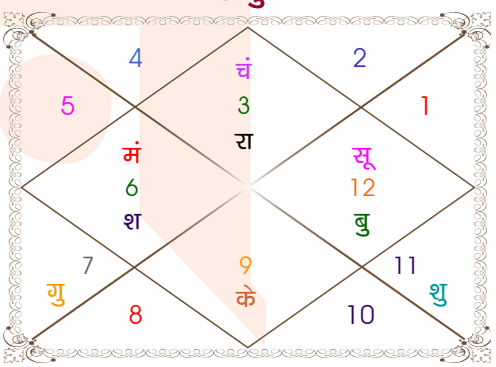

नवमांश कुंडली

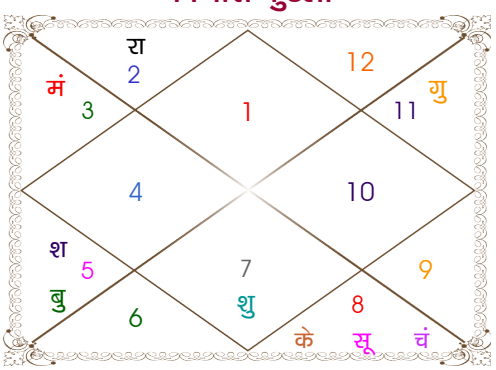

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 4 मास 6 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
31/03/1982		06/08/1983		06/08/2001		06/08/2017		05/08/2036	
06/08/1983		06/08/2001		06/08/2017		05/08/2036		06/08/2053	
	00/00/0000	राहु	18/04/1986	गुरु	24/09/2003	शनि	08/08/2020	बुध	02/01/2039
	00/00/0000	गुरु	11/09/1988	शनि	06/04/2006	बुध	19/04/2023	केतु	30/12/2039
	00/00/0000	शनि	19/07/1991	बुध	12/07/2008	केतु	27/05/2024	शुक्र	30/10/2042
	00/00/0000	बुध	04/02/1994	केतु	18/06/2009	शुक्र	28/07/2027	सूर्य	06/09/2043
	00/00/0000	केतु	23/02/1995	शुक्र	17/02/2012	सूर्य	09/07/2028	चंद्र	04/02/2045
	31/03/1982	शुक्र	23/02/1998	सूर्य	05/12/2012	चंद्र	07/02/2030	मंगल	01/02/2046
शुक्र	30/08/1982	सूर्य	17/01/1999	चंद्र	06/04/2014	मंगल	19/03/2031	राहु	21/08/2048
सूर्य	05/01/1983	चंद्र	18/07/2000	मंगल	13/03/2015	राहु	23/01/2034	गुरु	26/11/2050
चंद्र	06/08/1983	मंगल	06/08/2001	राहु	06/08/2017	गुरु	05/08/2036	शनि	06/08/2053

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/08/2053		05/08/2060		05/08/2080		06/08/2086		05/08/2096	
05/08/2060		05/08/2080		06/08/2086		05/08/2096		00/00/0000	
केतु	02/01/2054	शुक्र	06/12/2063	सूर्य	23/11/2080	चंद्र	06/06/2087	मंगल	02/01/2097
शुक्र	04/03/2055	सूर्य	05/12/2064	चंद्र	25/05/2081	मंगल	05/01/2088	राहु	20/01/2098
सूर्य	10/07/2055	चंद्र	06/08/2066	मंगल	29/09/2081	राहु	06/07/2089	गुरु	27/12/2098
चंद्र	08/02/2056	मंगल	06/10/2067	राहु	24/08/2082	गुरु	05/11/2090	शनि	05/02/2100
मंगल	06/07/2056	राहु	06/10/2070	गुरु	12/06/2083	शनि	05/06/2092	बुध	02/02/2101
राहु	24/07/2057	गुरु	06/06/2073	शनि	24/05/2084	बुध	05/11/2093	केतु	01/07/2101
गुरु	30/06/2058	शनि	05/08/2076	बुध	31/03/2085	केतु	06/06/2094	शुक्र	01/04/2102
शनि	09/08/2059	बुध	06/06/2079	केतु	06/08/2085	शुक्र	05/02/2096		00/00/0000
बुध	05/08/2060	केतु	05/08/2080	शुक्र	06/08/2086	सूर्य	05/08/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 4 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णीम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नही है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नही है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहते हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगे। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगे तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगे तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि के प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभांश प्राप्त करना चाहते हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहते हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकते हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगा। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाते हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रर्याप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करते हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपनी पत्नी एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगे। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन संगिनी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य स्त्री के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाले तथा विचलित हो जाने वाले व्यक्ति हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकते हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ्य एवं आनंदित रहेंगे। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकते हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते। आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं

परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्यिाग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।